The University of Burdwan
Syllabus for B.A. Honours
(1+1+1 Pattern)
In
Hindi
with effect from 2013-2014 onward

वर्द्धमान विश्वविद्यालय

वर्द्धमान (पश्चिम बंगाल)

त्रिवर्षीय स्नातक (प्रतिष्ठा) के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

<u>सामान्य निर्देश</u> :

क. इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत कुल आठ प्रश्नपत्र होंगे।

ख. प्रश्नपत्र एक और दो के लिए भाग - 1, प्रश्नपत्र तीन एवं चार के लिए भाग - 2, प्रश्नपत्र पाँच, छह, सात और आठ के लिए भाग - 3 निर्धारित हैं।

ग. प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए चार घंटे का समय निर्धारित है।

घ. प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक 100 होंगे।

ङ. प्रश्नपत्रों का क्रम निम्नलिखित हैं।

भाग - एक - प्रथम वर्ष

प्रश्नपत्र - एक - हिंदी साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र - दो - मध्यकालीन काव्य

भाग - दो - द्वितीय वर्ष

प्रश्नपत्र - तीन - भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रश्नपत्र - चार - आधुनिक काव्य

भाग - तीन - तृतीय वर्ष

प्रश्नपत्र - पाँच - कथा-साहित्य

प्रश्नपत्र - छह - कथेतर गद्य साहित्य

प्रश्नपत्र - सात - भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र, एवं हिंदी आलोचना

प्रश्नपत्र - आठ - विशेष अध्ययन : प्रेमचन्द अथवा राहुल सांकृत्यायन

वर्धमान विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम (प्रतिष्ठा)

प्रथम भाग - प्रथम वर्ष

पहला प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास पूर्णांक-100

अंक विभाजन:

प्रश्न		अंक	
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	= 16
6 मध्यमाकार प्रश्न -	6 x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4 x	12	= 48

खंड - क

क) साहित्येतिहास लेखन की परंपरा : सामान्य परिचय।

ख) कालविभाजन एवं नामकरण

ग) आदिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ,
सामान्य परिचय : जैन साहित्य, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य,गद्य साहित्य, डिंगल और पिंगल ।

घ) भक्तिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्य धाराएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ भक्तिकाल लोकजागरण के रूप में। निर्गुण काव्य धारा : संत काव्य एवं सूफी काव्य की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ । सगुण काव्य धारा : कृष्ण भक्ति एवं राम भक्ति काव्य की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ। भक्तिकाल के अंतर्विरोध।

ङ) रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्य धाराएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ

खंड - ख

च) 'रेनेसां' : सामान्य परिचय, परिभाषा। नवजागरण की प्रवृत्तियाँ।

छ) भारतेंदु युग : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, भारतेंदु एवं भारतेंदु मंडल का साहित्यिक योगदान, भारतेंदु युगीन प्रमुख कृतियाँ।

ज) द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी का योगदान, द्विवेदीयुगीन प्रमुख साहित्यकार

झ) छायावाद : प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

ञ) प्रगतिवाद : प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

ट) प्रयोगवाद : प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

ठ) नई कविता : प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

ड) जनवादी कविता, अकविता और समकालीन कविता : प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

ढ) निबंध, नाटक, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा - उद्भव और विकास

ण) कहानी और उपन्यास: पूर्व प्रेमचंद युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग, साठोत्तरी कथा साहित्य, आठवें, नवें दशक का कथा साहित्य (सामान्य परिचय)

त) उत्तर आधुनिक विमर्श : स्त्री विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श (सामान्य परिचय)

संदर्भ ग्रंथ

1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास
2) नलिन विलोचन शर्मा - साहित्य का इतिहास दर्शन
3) रामविलास शर्मा - इतिहास दर्शन
4) रामविलास शर्मा - भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
5) हजारी प्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य: उद्भव और विकास
6) हजारी प्रसाद द्विवेदी - हिंदी साहित्य की भूमिका
7) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - हिंदी साहित्य का अतीत (2 भाग)
8) रामकुमार वर्मा - हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
9) बच्चन सिंह - हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
10) बच्चन सिंह - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
11) रामविलास शर्मा - लोक जागरण और हिंदी साहित्य
12) रामविलास शर्मा - भारतेंदु हरिश्चंद्र एवं हिंदी नवजागरण
13) रामविलास शर्मा - महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण
14) नामवर सिंह - आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
15) नामवर सिंह - छायावाद
16) रामस्वरूप चतुर्वेदी -- हिंदी साहित्य का इतिहास और संवेदना का विकास
17) डॉ. रूपा गुप्ता - हिन्दी और बंग्ला नवजागरण

.....

वर्धमान विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम (प्रतिष्ठा)

प्रथम भाग - प्रथम वर्ष

दूसरा प्रश्न पत्र : मध्यकालीन काव्य पूर्णांक-100

अंक विभाजन:

प्रश्न		अंक	
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	= 16
6 व्याख्या प्रश्न -	6 x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4 x	12	= 48

<u>खंड - क</u>

क) कबीर : पद - 1. संतों भाई आई ग्यान की आँधी रे। 2. दुलहिनी गावहु मंगलचार। 3. अरे इन दोऊ राह न पाइ। 4. निरगुणराम निरगुण राम जपहु रे माई। 5. हरि जननी मैं बालक तोरा। 6. संतन जात न पूछो निरगुनियाँ। 7. अवधू माया, तजी न जाई। 8. इस घर अंतर बाग-बगीचे इसी में सिरजन हाय। 9. मन, तू पार उतर कर जैंहो। 10. पंडितवाद वदंते झूठा। साखी - 1. सतगुरू की महिमा अनत। 2. प्रेम न बारी उपजै। 3. चकवी बिछुरि रैन की। 4. आई न सको तुझपै। 5. मन लागा उनमन सो। 6. हम घर आपणा। 7. तू तू करता भया। 8. हेरत - हेरत हे सखी। 9. माया दीपक नर पतंग। 10. चौसठी दीवा जोई करि। 11. पानी केरा बुद बुदा। 12. विरह भुंवगम तन बसे। 13. कबीर कँवल प्रकासिया। 14. ऎसा कोई ना मिलै। 15. संतन छाड़ै संतई।

ख) सूर : अबिगत गति कछु कहत न आवै, सिखवति चलन जसोदा मैया, सखि री नंद-नंदन देखु, मैया कबहिं बढैगी चोटी, इहिं मुरली कछु भलो न कीनौ, अधर सुधारस अंस हमारो, बाँटि-बाँटि सबहिन को दीनो, आए जोग सिखावन पांडे, लरिकाई कौ प्रेम कहो अलि कैसे छूटै, अब अति चकितवंत मन मेरो।

ग) तुलसी) - पद संख्या (पद 5 कुल - कवितावली) :84(बरन ,धरमु गयो आश्रम निवासु तज्यो-)96 ,भिखारी ,बनिक ,कुल-किसान ,किसबी (भाट ,(97 भिखारी को न ,खेती न किसान को(भीख ,(107) मेरें जाति ,पाँति-पाँति न चहौं काहूकी जाति-(175) लोगनिकें पाप कैधौं-सिद्ध , सुरसाप कैधौं।-

घ) मीराँ : (कुल 8 पद) मण थें परस हरि के चरण, बस्याँ म्हारे णेणण में नंदलाल, म्हाँ गिरधर आगाँ णाच्या री, मीराँ लागौ रंग हरी, औरन अँटक परी, बरजी री म्हाँ स्याम विणा न रह्याँ, सीसोद्यो रूठ्यो तो म्हारो काँई कर लेसी, चालाँ मण वा जमणा का तीर, राम नाम रस पीजै मनुआँ।

खंड - ख

ङ) घनानंद : (कुल 11 छंद) - रावरे रूप की रीति अनूप, अंतर ही किधौं अंत रहौं, प्रेम को महोदधि अपार, पूरन प्रेम को मंत्र महा, झलकै अति सुंदर आनन गौर, क्यों हरि हेरि हर्यो हियरो, भये अति निठुर मिटाय, चातिक चुहल चहुँ ओर, तीछन ईछन बान बखान सो, अति सूधो सनेह को मारग है, ऐरे बीर पौन तेरो सब ओर गौन।

च) बिहारी : (कुल 15 दोहे) - मेरी भव बाधा हरो, अजौं तरयौना ही रह्यो, जगत जनायों जिनि सकल, मंगल बिंदु सुरंग मुख, घर-घर डोलत दीन ह्वै, कनक कनक ते सौगुनी, रनित भृंग घंटावली, पहिरि न भूषन, पत्राहि तिथि पाइयो, या अनुरागी चित्त की, चिरजीवौ जोरी जुरै क्यों न, लिखन बैठी जाकी छवि, लाज लगाम न मानहिं, मीत न नीति, पाँय महावर दैन को।

छ) केशव : (कुल 5 छंद) - केशव एक समै हरि राधिका, केशव सूधो विलोचन सूधी बिलोकनि, माल गुही गुन लाल लटैं लपटी लर मोतिन की, मेघ ज्यों गंभीर वाणी सुनत, एकै कहैं अमल कमल मुख सीता जू को।

ज) भूषण : (कुल 5 छंद) -पावक तुल्य अमीतन को भयो, बासब से बिसरत बिक्रम की कहा चली, ब्रह्म के आनन ते निकसे ते अत्यन्त पुनीत, सबन के ऊपर ठाढ़ो रहिबे के जोग, निकसत म्यान ते मयूखैं प्रलै भानु कैसी।

संदर्भ ग्रंथ

1) कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी
2) कबीर की विचारधारा - गोविन्द त्रिगुणायत
3) कबीर -संपादक : वासुदेव सिंह
4) त्रिवेणी - रामचंद्र शुक्ल
5) गोस्वामी तुलसीदास - रामचंद्र शुक्ल
6) तुलसी -डॉ. उदयभानु सिंह
7) सूरदास -रामचंद्र शुक्ल
8) सूर-साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी
9) महाकवि सूरदास - नंददुलारे बाजपेयी
10) सूरदास - हरवंशलाल शर्मा (संपादक)
11) सूरदास - ब्रजेश्वर वर्मा
12) भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य -मैनेजर पांडेय
13) मीरा का काव्य - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
14) भक्तिकाव्य और लोकजीवन -शिवकुमार मिश्र
15) बिहारी - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
16) बिहारी का नया मूल्यांकन -- बच्चन सिंह
17) घनानंद - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
18) घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा - मनोहर लाल गौड़

वर्धमान विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम (प्रतिष्ठा)

द्वितीय भाग - द्वितीय वर्ष

तीसरा प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा और प्रयोजनमूलक हिन्दी पूर्णांक-100

अंक विभाजन --

प्रश्न			अंक
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	= 16
6 लघूत्तरी प्रश्न -	6 x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4 x	12	= 48

खण्ड - क

(भाषा-विज्ञान और हिन्दी भाषा)

- भाषा : परिभाषा और भाषा के विविध रूप, भाषा विज्ञान की विभिन्न अध्ययन-पद्धतियाँ- सैद्धांतिक - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक और समाज - भाषा विज्ञान
- स्वनविज्ञान : स्वनों का वर्गीकरण, स्वन परिवर्तन के कारण और दिशाएँ। स्वनिम और सहस्वन।
- अर्थ-परिवर्तन : कारण और दिशाएँ
- रूप-विज्ञान : शब्द और अर्थ। अर्थतत्व और संबंधतत्व। संबंधतत्व के प्रकार।
- हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास। खड़ी बोली हिन्दी का साहित्यिक विकास।
- हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ। पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी में अंतर।
- देवनागरी लिपि : उद्भव, विकास और विशेषताएँ।

खण्ड - ख

(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्तियाँ और व्यवहार - क्षेत्र।
- हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। कार्यालयीन अनुवाद और साहित्यिक अनुवाद में अंतर, अनुवाद की समस्याएँ।
- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति - राजभाषा अधिनियम 1963, 1967, राजभाषा संकल्प विधेयक 1968।
- प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूप। टिप्पण लेखन, मसौदा लेखन, संक्षेपण या सार लेखन।
- जनसंचार माध्यम। जनसंचार का तात्पर्य। संचार के आधुनिक माध्यम - समाचार-पत्र, रेडियो, सिनेमा, दूरदर्शन, इंटरनेट आदि -परिचय और महत्व।
- कंप्यूटर - परिचय, रूपरेखा, उपयोग और क्षेत्र।

संदर्भ ग्रंथ

1) भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
2) हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - उदयनारायण तिवारी
3) भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास - उदयनारायण तिवारी
4) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
5) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
6) हिंदी भाषा का इतिहास - भोलानाथ तिवारी
7) हिंदी भाषा की संरचना -भोलानाथ तिवारी
8) हिंदी उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी
9) भारतीय आर्यभाषा और हिंदी - सुनीति कुमार चटर्जी
10) प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे
11) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे
12) राजभाषा हिंदी -प्रकाशन विभाग

वर्धमान विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक के लिए निर्धारित (प्रतिष्ठा)पाठ्यक्रम

द्वितीय भाग - द्वितीय वर्ष

चौथा प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य पूर्णांक-100

अंक विभाजन:

प्रश्न				अंक
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8	x	2	= 16
6 व्याख्या प्रश्न -	6	x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4	x	12	= 48

खंड - क

क) मैथिलीशरण गुप्त : हम कौन थे क्या हो गए, सखि वे मुझसे कहकर जाते, प्रियतम तुम श्रुति पथ के,

ख) जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, मेरे नाविक, तुमुल कोलाहल कलह में, पेशोला की प्रतिध्वनि।

ग) महादेवी : मैं नीर भरी दुख की बदली, कह दे माँ अब क्या देखूँ, क्या पूजा क्या अर्चन रे, विरह का जलजात जीवन।

घ) निराला : जागो फिर एक बार, बादल-राग -6, मैं अकेला, राजे ने अपनी रखवाली की।

खंड - ख

ङ) नागार्जुन : प्रतिबद्ध हूँ, घिन तो नहीं आती, तीनों बंदर बापू के, बहुत दिनों के बाद।

च) दिनकर : कुरुक्षेत्र - छठा सर्ग

छ) अज्ञेय : आँगन के पार द्वार, पुल, नदी के द्वीप, सोन मछली

ज) मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस, भूल-गलती

झ) केदारनाथ सिंह : रोटी, पानी से घिरे हुए लोग, पानी की प्रार्थना।

संदर्भ ग्रंथ

1) आधुनिक साहित्य -नंददुलारे बाजपेयी
2) हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - नंददुलारे बाजपेयी
3) आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
4) छायावाद - नामवर सिंह
5) नई कविता: स्वरूप और समस्या -डॉ. जगदीश गुप्त
6) प्रसाद का काव्य -डॉ. प्रेमशंकर
7) मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य -कमलकांत पाठक
8) मैथिलीशरण गुप्त पुनर्मूल्यांकन - नगेन्द्र
9) निराला की साहित्य साधना (भाग-2) - रामविलास शर्मा
10) निराला - रामविलास शर्मा
11) निराला: एक आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
12) निराला; कृति से साक्षात्कार - नंदकिशोर नवल
13) राष्ट्रकवि दिनकर -गोपाल राय (संपादक)
14) युगचारण दिनकर - सावित्री सिन्हा
15) महादेवी - इंद्रनाथ मदान (संपादक)
16) महादेवी - परमानंद श्रीवास्तव (संपादक)
17) कविता के नए प्रतिमान - नामवर सिंह
18) अज्ञेय : आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी
19) अज्ञेय का काव्य -चंद्रकांत बांदिवाड़ेकर
20) नागार्जुन का काव्य - अजय तिवारी
21) नागार्जुन का रचना संसार - विजय बहादुर सिंह
22) नागार्जुन - परमानंद श्रीवास्तव (संपादक)
23) निराला और मुक्तिबोध की चार लंबी कविताएँ - नन्दकिशोर नवल
24) आलोचना पत्रिका, केदारनाथ सिंह विशेषांक
25) केदारनाथ सिंह : बिंब से आख्यान तक - डॉ. गोविन्द प्रसाद
26) मिट्टी की रोशनी - अनिल त्रिपाठी

वर्धमान विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम (प्रतिष्ठा)

तृतीय भाग - तृतीय वर्ष

पाँचवा प्रश्न पत्र : कथा साहित्य पूर्णांक-100

अंक विभाजन:

प्रश्न		अंक	
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	= 16
6 व्याख्या प्रश्न -	6 x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4 x	12	= 48

1) उपन्यास - क) दिव्या : यशपाल
ख) आपका बंटी : मन्नू भंडारी
ग) मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु

2) कहानियाँ -- क) दृष्टिकोण : सुभद्रा कुमारी चौहान
ख) पाजेब : जैनेन्द्र
ग) गुंडा : जयशंकर प्रसाद
घ) शरणदाता : अज्ञेय
ङ) सूखा : निर्मल वर्मा
च) वापसी : ऊषा प्रियंवदा
छ) घर चलो दुलारी बाई : संजीव

संदर्भ ग्रंथ

1) हिंदी उपन्यास उद्भव और विकास - सुरेश सिन्हा
2) हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया - परमानंद श्रीवास्तव
3) कहानी: नई कहानी - नामवर सिंह
4) नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
5) नई कहानी:स्वर और संवेदना - राजेन्द्र यादव
6) 'रेणु' : कृतित्व और कृतियाँ - सियाराम तिवारी
7) हिंदी के आंचलिक उपन्यास -रामदरश मिश्र
8) मार्क्सवाद और उपन्यासकार यशपाल - पारसनाथ सिंह
9) मैला आँचल का रचना प्रक्रिया - देवेश ठाकुर
10) मैला आँचल - मधुरेश (संपादक)
11) फणीश्वर नाथ रेणु और मैला आँचल - गोपाल राय
12) जनवादी कहानी - रमेश उपध्याय

13) कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी
14) हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश
15) कथालोचन के नये प्रतिमान - गौतम सान्याल
16) हिंदी उपन्यास एक नई दृष्टि - इन्द्रनाथ मदान
17) हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश
18) प्रेमचन्द्र विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र

वर्धमान विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के (प्रतिष्ठा)

तृतीय भाग - तृतीय वर्ष

छठा प्रश्न पत्र : कथेतर गद्य साहित्य पूर्णांक-100

अंक विभाजन:

प्रश्न		अंक	
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	= 16
6 व्याख्या प्रश्न -	6 x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4 x	12	= 48

1) नाटक - क) अंधेर नगरी : भारतेंदु,
ख) आधे-अधूरे : मोहन राकेश

2) निबंध - क) काव्य में लोकमंगल का साधनावस्था : आचार्य रामचंद्र शुक्ल,
ख) भारतीय संस्कृति की देन : हजारी प्रसाद द्विवेदी,
ग) कवि तेरा भोर आ गया : कुबेरनाथ राय,
घ) नए की जन्मकुंडली (भाग 1-2) : मुक्तिबोध,
ङ) परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा,
च) निन्दा रस : हरिशंकर परसाई

3) आत्मकथांश - गुड़िया भीतर गुड़िया : मैत्रेयी पुष्पा (धिय सब कुल खोयो)

4) संस्मरण, जीवनी, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, यात्रा वृत्तांत लेखन के आधारभूत तत्व (संक्षिप्त टिप्पणी)

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
2. हिंदी की गद्य विधाएँ - डॉ. हरिमोहन
3. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास - दशरथ ओझा
4. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह
5. रंगदर्शन - नेमिचन्द्र जैन
6. आधुनिक हिंदी नाटक का अग्रदूत : मोहन राकेश - गोविन्द चातक
7. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी
8. हिंदी आलोचना का विकास - नन्दकिशोर नवल
9. हिंदी के रेखाचित्र - माखनलाल शर्मा
10. हिंदी की प्रमुख विधाएँ -

वर्धमान विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम (प्रतिष्ठा)

तृतीय भाग - तृतीय वर्ष

सप्तम प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र, हिन्दी आलोचना और पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक-100

अंक विभाजन --

प्रश्न		अंक	
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	= 16
6 लघूत्तरी प्रश्न -	6 x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4 x	12	= 48

खंड - क

(भारतीय काव्यशास्त्र और हिन्दी-आलोचना)

- काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु और काव्य-प्रयोजन।
- रस-सिद्धांत : साधारणीकरण,
  रस के भेद
- रसेतर सिद्धांत : इतिहास और परिचय - अलंकार, ध्वनि।

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र)

- प्लेटो : अनुकृति सिद्धांत।
- अरस्तु : अनुकृति सिद्धांत।
- लोंजाइनस : उदात्त अवधारणा।
- आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत।

खण्ड - ख

- हिन्दी आलोचना का विकास : भारतेंदुयुगीन समीक्षा, द्विवेदीयुगीन समीक्षा, शुक्लयुगीन समीक्षा, शुक्लोत्तर युगीन समीक्षा।
- हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टि - रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे बाजपेयी, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध और नामवर सिंह।
- यथार्थवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, आधुनिकता और उत्तरआधुनिकता।

संदर्भ ग्रंथ

1. काव्य शास्त्र - भगीरथ मिश्र
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा

3. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्यदेव चौधरी
4. पाश्चात्य काव्य चिंतन - निर्मला जैन
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - शांति स्वरूप गुप्त
6. हिंदी आलोचना का विकास - नन्दकिशोर नवल
7. हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
8. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार - रामचन्द्र तिवारी
9. हिंदी आलोचना का विकास - मधुरेश

वर्द्धमान विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम (प्रतिष्ठा)

तृतीय भाग - तृतीय वर्ष

आठवाँ प्रश्न पत्र : विशेष अध्ययन पूर्णांक-100

(प्रेमचंद)

अंक विभाजन:

प्रश्न		अंक	
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	= 16
6 व्याख्या प्रश्न -	6 x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4 x	12	= 48

विशेष अध्ययन - प्रेमचंद

1) उपन्यास : सेवासदन, रंगभूमि, कर्मभूमि ।
2) कहानियाँ : ईदगाह, कफन, सद्गति, बड़े भाई साहब, दो बैलों की कथा, बड़े घर की बेटी, दुनिया का अनमोल रत्न, पूस की रात ,मिस पद्मा, नशा।
3) निबंध : साहित्य का उद्देश्य, महाजनी सभ्यता।

संदर्भ ग्रंथ

1) कलम का सिपाही - अमृत राय
2) प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
3) प्रेमचंद : विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र
4) प्रेमचंद आलोचना अंक - आलोचना

वर्द्धमान विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम (प्रतिष्ठा)

तृतीय भाग - तृतीय वर्ष

आठवाँ प्रश्न पत्र : विशेष अध्ययन पूर्णांक-100

(राहुल सांकृत्यायन)

अंक विभाजन:

प्रश्न		अंक		
8 लघ्वाकार प्रश्न -	8 x	2	= 16	
6 व्याख्या प्रश्न -	6	x	6	= 36
4 वृहदाकार प्रश्न -	4	x	12	= 48

विशेष अध्ययन - राहुल सांकृत्यायन

1) उपन्यास --- सिंह सेनापति, जय यौधेय
2) कहानी - कहानी संग्रह सतमी के बच्चे से : सतमी के बच्चे, पुजारी, डीह बाबा, रामगोपाल, स्मृतिज्ञानकीर्ति । कहानी संग्रह वोल्गा से गंगा तक से : अंगिरा, सुदास, सुपर्ण, प्रभा, बाबा नूरदीन, सुरैया, सुमेर, मंगल सिंह।
3) घुमक्कड़ शास्त्र

संदर्भ ग्रंथ :

i. राहुल सांकृत्यायन का कथा साहित्य --- डॉ. प्रभाशंकर मिश्र
ii. हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास - डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
iii. राहुल सांकृत्यायन --- भदंत आनंद कौसल्यायन
iv. कहानी का रचना विधान - जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
v. समय साम्यवादी --- विष्णुचंद शर्मा
vi. स्वयंभू महापंडित --- गुणाकर मुले
vii. हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास - सुरेश सिन्हा
viii. हिन्दी उपन्यास - सुषमा धवन